M.A - Sem. III, Unit - I, CC-12

Dr. RANJEET KUMAR
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara.

अमेरिकी गृह युद्ध के कारण :- अमेरिकी गृह युद्ध संयुक्त-राज्य अमेरिका की स्थापना के समय से चली आ रही, गुलामी के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष की परिणति थी। उत्तरी राज्यों और दास-धारक दक्षिणी राज्यों के बीच इस अनुभागीय संघर्ष को राजनीतिक समझौतों की एक श्रृंखला द्वारा नियंत्रित किया गया था, लेकिन 1850 के दशक के अंत तक पश्चिमी राज्यों में दासता के विस्तार का मुद्दा उबलते बिन्दु पर पहुँच गया था। 1860 में गुलामी विरोधी रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य अब्राहम लिंकन के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव के कारण 11 दक्षिणी राज्य अलग हो गए।

1860-61 में दक्षिणी राज्यों (कालानुक्रमिक क्रम में, दक्षिण कैरोलिना, मिसिसिपी, फ्लोरिडा, अलबामा, जॉर्जिया, लुइसियाना, टेक्सॉस, वर्जीनिया, अरकंसास, टेनेसी और उत्तरी कैरोलिना) का अलगाव और सशस्त्र शत्रुता का आग्रामी प्रकोप इत्यादि के कारण गृह युद्ध शुरू हो गया।

सन् 1861 से 1865 के काल में संयुक्त-राज्य अमेरिका के उत्तरी राज्यों एवं दक्षिणी राज्यों के बीच में लड़ा जाने वाला एक गृह युद्ध था। जिसमें उत्तरी राज्य विजयी हुए। इस युद्ध में उत्तरी राज्य, अमेरिका की संघीय एकता बनाए रखना चाहते थे और पूरे देश से दास प्रथा हटाना चाहते थे।

अमेरिकी इतिहास में इस पक्ष को औपचारिक रूप से यूनियन (Union) कहा जाता है। और अनौपचारिक रूप से —

→ 'यैन्की' (yankee) कहा जाता है।

दक्षिणी राज्य, अमेरिका से अलग होकर परिसंघीय राज्य अमेरिका (Confederate state of America) नाम का एक नया राष्ट्र बनाना चाहते थे जिसमें यूरोपीय मूल के श्वेत वर्णीय (गोरे) लोगों को अफ्रीकी मूल के कृष्ण वर्णीय (काले) लोगों को गुलाम बनाकर खरीदने-बेचने का अधिकार हो।

दक्षिणी पक्ष को औपचारिक रूप रूप से 'कनफेडरेसी' (परिसंघीय) और अनौपचारिक रूप से 'रेबेल' (Rebel = विद्रोही) या, 'डिक्सी' (Dixie) कहा जाता है।

युद्ध के मोर्चे मुख्यतः तीन थे - समुद्र, मिसिसिपी घाटी और पूर्व समुद्रतट के राज्य। युद्ध के आरंभ में प्रायः समग्र जलसेना संयुक्त राज्य के हाथ में थी, किंतु वह बिखरी हुए एवं निर्बल थी।

दक्षिणी तट की घेराबंदी से यूरोप को रुई का निर्यात और वहाँ से बारूद, वस्त्र और औषधि आदि दक्षिण के लिए अत्यंत आवश्यक आयात की चीजे पूर्णतया रुक गई। संयुक्त राज्य के बेड़े ने दक्षिण के सबसे बड़े नगर न्यू ऑर्लियंस से आत्म समर्पण करा लिया। मिसिसिपी की घाटी में भी संयुक्त राज्य की सेना की अनेक जीतें हुई।

यह कहना सर्वथा उचित न होगा कि यह युद्ध केवल दास प्रथा को लेकर हुआ, वास्तव में इस संघर्ष का बीज बहुत पहले बोया जा चुका था और यह विभिन्न विचारधाराओं में पारस्परिक विरोध का परिणाम था।

उत्तर के निवासी भौगोलिक परिस्थिति, यातायात के साधन तथा औद्योगिक सफलता के फलस्वरूप अधिक संतुष्ट तथा सम्पन्न थे।

कृषि प्रधान दक्षिणी राज्यों में

17वीं से 18वीं शताब्दियों में अफ्रीका से बहुत से अफ्रीकी दास यहाँ लाए गए थे और वे ही कृषि में मजदूरी करते थे। इसलिए दक्षिणी राज्य इन हबशी दासों को मुक्त नहीं करना चाहते थे।

अमेरिका के सभी उत्तरी राज्यों ने 1804 तक दास प्रथा को धीरे-धीरे खत्म कर देने के लिए कानून बना लिए थे। मशीन युग के आने से उत्तर और दक्षिण के बीच की खाई बढ़ा दी। उत्तरी निवासी मशीन के प्रयोग से आर्थिक क्षेत्र में प्रगति करने लगी। उनका कोयले एवं लोहे का उत्पादन बढ़ा और वहाँ बहुत से कारखाने काम करने लगे। वहाँ की जनसंख्या भी तेजी से बढ़ने लगी।

दक्षिणी राज्यों के लोग अभी केवल कृषि पर आधारित थे और उन्होंने युग के साथ प्रगति नहीं की। यहाँ की जनसं० भी अधिक तेजी से नहीं बढ़ी। अमेरिका की व्यापारिक नीति उत्तरी राज्यों के लिए लाभदायक थी, पर दक्षिण वाले उससे लाभ नहीं उठा सकते थे। व्यापारिक नीति का दक्षिण में विरोध हुआ और दक्षिणी इसे अवैध ठहराने लगे। वे स्वतंत्र व्यापार के अनुयायी थे, जिससे वे अपना कच्चा माल बिना नियंत्रण के विदेश भेज सकें और अपने आवश्यकतानुसार बनी हुई चीजें खरीदें। कूल्हन के मतानुसार, प्रत्येक राज्य को, संयुक्त राज्य की किसी भी नीति को मानने/न मानने का पूर्ण अधिकार था। संघर्ष बढ़ा। संविधान की आड़ में उत्तर और दक्षिण के राज्य अपने-अपने मत की पुष्टि का पूर्णतया प्रयास करने लगे।